NEWS CLIPPING: 21.12.2020

THE TRIBUNE

JC BOSE VARSITY EXAMS FROM TODAY

Faridabad: Keeping in view the prevailing pandemic, the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has announced to conduct the odd semester theory examination for main and re-appear students in online mode from December 21. The university has already released the datesheets of online examinations except the first semester of all programmes; and third semester of BTech and MCA, for which the exam will be held later. Controller of examination Rajiv Kumar said to make students familiar with the process, online training sessions and demo tests are being conducted. For appearing in exams, students will require webcam-enabled computer/laptop/tablet/mobile phone with internet connectivity. However, those who don't have it will have to reach the university or respective affiliated institute with prior intimation to appear in the exam.

The Tribune Mon, 21 December 2020
https://epaper.tribun

NEWS CLIPPING: 21.12.2020

HINDUSTAN

वाईएमसीए कैंपस अक्षय ऊर्जा से चलेगा

अच्छी खबर

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर वर्ष 2021 में ग्रीन-क्लीन इको-फ्रेंडली तब्दील हो जाएगा। पूरा कैंपस अक्षय ऊर्जा के माध्यम से चलेगा। विश्वविद्यालय ने उर्जा के पारंपरिक स्त्रोत से स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त करने के लिए परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके बाद विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल-2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।

हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप एसपीवी पावर प्लांट लगेगा। इसकी तैयारी कैंपस में शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल को बढ़ावा देना है। इसके मद्देनजर सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की मांग को पूरा किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के भवनों की छतों पर खाली जगहों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जाएगा। प्रस्तावित अक्षय ऊर्जा से बिजली उत्पादन से न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के स्वच्छ ऊर्जा मिशन को भी पूरा करेगा। इससे कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। इसके अलावा परिसर में लाभदायक व जीवनदायिनी पौधे लगाएं जाएंगे। विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के अधिकारियों का दावा कि कोरोना काल में सफाई अभियान चलाया गया। लॉक डाउन के कारण कई इलाकों में पार्थेनियम जैसी हानिकारण घास खड़ी हो गई थी, जिसे साफ करवा दिया गया है।

औषधीय समेत एक हजार पौधे परिसर में लगेंगे

विश्वविद्यालय परिसर में एक औषधीय पार्क तैयार किया जाएगा। इसके अलावा परिसर में करीब एक हजार पौधे इस बार लगाने की योजना है। ताकि परिसर में ग्रीन बनाने में मदद हो सके। इससे आयुष स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति छात्रों का रूझान भी बढ़ेगा। इसमें कुछ विदेशी पौधे भी शामिल किए जाएंगे। पौधारोपण में छात्रों की भागीदारी से इसे और बढ़ाया जाएगा।

यूनिवर्सिटी में स्वच्छता अभियान चलेगा

विश्वविद्यालय परिसर में प्रतिदिन की सफाई के अलावा प्रत्येक रविवार को स्वच्छता अभियान चलेगा। इसमें छात्रों की भागीदारी भी होगी। इस अभियान से विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारियों के साथ शिक्षकों और छात्रों को भी अभियान से जुड़ने के लिए निर्देशित किया जाएगा। इसमें यूजीसी के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। यूजीसी ने देशभर के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत अभियान से जुड़ने के निर्देश दिए हैं। यूजीसी के मुताबिक उच्चशिक्षा संस्थान इस संबंध में युवाओं को इसमें भागीदारी के लिए जागरुकता अभियान भी चलाए जाएंगे।

आगामी वर्ष 2021 में विवि परिसर को ग्रीन-क्लीन और इको-फ्रेंडली तैयार किया जाएगा।

-डॉ. रेणूका गुप्ता, अध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी